ISWK SHARING KNOWLEDGE

Class VII

Subject- Sanskrir 3rd Language

Topic-

लङ् - लकार: (प्रथम: पुरुष:)

BY - Acharya Sushil Sharma

लङ्–लकारः (प्रथमः पुरुषः)

भूत काल (Past Tense)

आप पढ़ चुके हैं–

क्रिया का मूल रूप है–धातु। जैसे पठति का मूल रूप है पठ्। धातु के मूल रूप का हम विभिन्न लकारों में प्रयोग करते हैं।

लङ् लकार में क्रियापद से पहले 'अ' जोड़ते हैं और पीछे लगने वाले प्रत्यय अलग–अलग होते हैं; यथा–

पठ्	–	अ + पठ् + अत्	अ + पठ् + अताम्	अ + पठ् + अन्
	=	अपठत्	अपठताम्	अपठन्
		(उसने पढ़ा)	(दो ने पढ़ा)	(सबने पढ़ा)
गम्	–	अ + गम् + अत्		
	=	अगच्छत्	अगच्छताम्	अगच्छन्
		(वह गया)	(वे दो गए)	(वे सब गए)
आ + गम्	–			
	=	आगच्छत्	आगच्छताम्	आगच्छन्
		(वह आया)	(वे दो आए)	(वे सब आए)

प्रथम पुरुष के ये रूप प्रथमा विभक्ति के कर्ता (बालः बालौ बालाः, लता लते लताः) के साथ प्रयुक्त होंगे।

बालः अपठत्। बालौ अपठताम्। बालाः अपठन्।

Saraswati House (India) Private Limited

बालिका अपठत्।
बालिके अपठताम्।
बालिकाः अपठन्।

प्रदीपः पुस्तके अपठत्।
सन्दीपः पुस्तकानि अपठत्।
प्रदीपः सन्दीपः च पुस्तकानि अपठताम्।
तौ पुस्तकानि अपठताम्।

तन्मयः प्रदीपः च पुस्तकम् अपठताम्।

नरौ अगच्छताम्।
तौ अगच्छताम्।

अतुलः लेखम् अलिखत्।
सः लेखम् अलिखत्।
अनिलः गृहम् अगच्छत्।

बालाः अपिबन्।
ते अपिबन्।

क्षितिजः पाठम् अस्मरत्।
निखिलः निर्मलं जलम् अपिबत्।
गौरवः उद्यानम् अगच्छत्। सः तत्र पुष्पम् अपश्यत् तत् अजिघ्रत् च।

House (India) Private Limited

गौरवः अतुलः च विद्यालयम् अगच्छताम्।
तत्र च अपठताम्। तौ लेखं न अलिखताम्।
सायं तौ उद्याने अखेलताम्।

बालाः क्रीडन्ति।
छात्राः अक्रीडन्।
ते अक्रीडन्।
ते अखेलन्।

सारिका प्रियम्वदा च पाठम् अस्मरताम्।
सायंकाले ते आपणम् अगच्छताम् फलानि च आनयताम्।

© New Saraswati Ho

उद्याने वृक्षाः आसन्।
राधिका उद्याने अभ्रमत्।
तत्र एकं पत्रम् अपतत् फलं च न अपतत्।

विपुलः विशालः च अद्य विद्यालयं न अगच्छताम्।
तौ धावनप्रतियोगितायाम् अधावताम्।
तत्र क्रमशः प्रथमं द्वितीयं च स्थानम् अविन्दताम्।

dia) Private Limited

दीपकः प्रदीपः च भ्रमणाय कुत्र अगच्छताम्?
तौ भ्रमणाय मनाली नाम्ना पर्वतस्थलम् अगच्छताम्।

रोहणः, रोहितः अतुलः च उद्यानम्
अगच्छन् तत्र अक्रीडन् च।
ताः बालाः तत्र अधावन्।
बालाः जनकम् अनमन्।
ते छात्राः गुरुम् अनमन्।

© New Saraswati House (Ind

शब्द-शक्तिः (Word Meanings)

अपिबन्	– (सबने) पिया	(they) drank	अभ्रमत्	– (वह) घूमा	(he) walked
निर्मलम्	– स्वच्छ	clear	अधावताम्	– (दो) दौड़े	(those two) run
अजिघ्रत्	– (उसने) सूँघा	(he) smelt	अविन्दताम्	– (दो ने) प्राप्त किया	(those two) got
उद्याने	– बगीचे में	in the garden	भ्रमणाय	– घूमने के लिए	for walking
अस्मरताम्	– (दो ने) याद किया	(two) memorised	अनमन्	– (सबने) नमस्कार किया	(they) bowed
आपणः	– दुकान	shop	अपश्यत्	– देखा	(he) saw

नई धातुएँ (New Roots)

स्मृ (स्मर्)	– याद करना	to learn	आ+नी (आनय्)	– लाना	to bring
घ्रा (जिघ्र्)	– सूँघना	to smell	विन्द्	– प्राप्त करना	to get

नए अव्यय (New Indeclinables)

क्रमशः	– क्रम से, एक के बाद एक	gradually	तत्र	– वहाँ	there

dia) Private Limited

अभ्यास

सम्प्रति लेखनीयम्

1. निम्नलिखितानि वाक्यानि लङ्लकारे लिखत।

(निम्नलिखित वाक्यों को लङ् लकार (भूतकाल) में लिखिए। Write the following sentences into past tense.)

उदाहरणम्– ताः क्रीडाक्षेत्रे **क्रीडन्ति।** ताः क्रीडाक्षेत्रे **अक्रीडन्?**

(क) अश्वः क्षेत्रे **धावति।** ....

(ख) ते छात्राः **धावन्ति।** ....

(ग) रमा कवितां **स्मरति।** ....

(घ) तौ कुत्र **गच्छतः।** ....

(ङ) नराः उद्याने **भ्रमन्ति।** ....

(च) वने फले **पततः।** ....

© New Saraswati House (India

2. निम्नलिखितेषु वाक्येषु निर्देशानुसारं वचन-परिवर्तनम् कुरुत।

(निम्नलिखित वाक्यों में निर्देशानुसार वचन परिवर्तन कीजिए। Change the following sentences as directed.)

उदाहरणम्– ते गृहम् अगच्छन्।	(एकवचने)	**सः गृहम् अगच्छत्।**
(क) वृद्धः नरः जलम् अपिबत्।	(बहुवचने)	....
(ख) तौ प्रातः अभ्रमताम्।	(बहुवचने)	....
(ग) शिक्षकाः भ्रमणाय अगच्छन्।	(एकवचने)	....
(घ) नक्षत्रौ अभासताम्।	(एकवचने)	....
(ङ) ते विद्यालये अपठन्।	(द्विवचने)	....

3. निम्नलिखितानि वाक्यानि उचितक्रमेण लिखत।

(निम्नलिखित वाक्यों को उचित क्रम से लिखिए। Write the following sentences in proper order.)

उदाहरणम्– अरक्षन् देशम् सैनिका:। **सैनिका: देशम् अरक्षन्।**

(क) विद्यालयेषु अपठन् बालका:। ....

(ख) अधावन् बाला: ता:। ....

(ग) अपिबत् जलम् नर:। ....

(घ) अगच्छताम् सैनिकौ तत्र। ....

(ङ) उद्याने अभ्रमन् नरा:। ....

4. मञ्जूषाया: सहायतया एकपदेन उत्तरत।

(मंजूषा की सहायता से एक पद में उत्तर दीजिए। Answer in one word with the help of the box.)

निखिल:, ते, बाला:, तौ, कन्या:, सेविका:, सैनिका:, शिक्षक:, बालौ।

(क) **का:** उद्याने अखेलन्? ....

(ख) **क:** कार्यम् अकरोत्? ....

(ग) **कौ** पत्रम् अलिखताम्? ....

(घ) **का:** पात्रम् अनयन्? ....

(ङ) **क:** बालम् अवदत्? ....

(च) **के** पाठम् अस्मरन्? ....

(छ) **कौ** गृहे अतिष्ठताम्? ....

(ज) **के** युद्धे अजयन्? ....

Saraswati House (India) Private Limited

भाषा-अवबोधनम्

1. कोष्ठकात् उचित-क्रियापदस्य प्रयोगं कृत्वा रिक्तस्थानानि पूरयत।

(कोष्ठक में से उचित क्रियापद का प्रयोग करके खाली स्थानों को भरिए। Choose correct verbs from the brackets and fill in the blanks.)

(क) अधुना ते ....। (अतिष्ठन्, अतिष्ठः)

(ख) शीला स्वपाठम् ....। (अस्मरत, अस्मरत्)

(ग) बालकौ जलम् ....। (अपिबताम्, अपिबम्)

(घ) तौ रामाय पुस्तकम् ....। (अयच्छताम्, अयच्छः)

(ङ) अतुलः मधुरं फलम् ....। (अखादाव, अखादत्)

© New Sarasw

2. निम्नलिखितानां क्रियापदानां पदपरिचयं कुरुत।

(निम्नलिखित क्रियापदों का पद–परिचय कीजिए। Parse the following verbs, *i.e.*, expand the following verbs.)

	क्रियापदः	धातुः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
	अक्रीडन्	क्रीड्	लङ्	प्रथम	बहुवचन
(क)	अनमन्	....	....	....	....
(ख)	अपठन्	....	....	....	....
(ग)	अवदताम्	....	....	....	....
(घ)	अचलत्	....	....	....	....

3. निम्नधातूनाम् लङ्लकारस्य प्रथमपुरुषस्य रूपाणि लिखत।

(निम्न धातुओं के लङ् लकार, प्रथम पुरुष के रूप लिखिए। Conjugate the following roots in third person in past tense.)

		एकवचनम्	द्विवचनम्	बहुवचनम्
(क)	वद्	....	....	....
(ख)	स्था	....	....	....
(ग)	मिल्	....	....	....
(घ)	चिन्त्	....	....	....
(ङ)	पच्	....	....	....
(च)	नम्	....	....	....

...ouse (India) Private Limited

4. वाक्यानि शुद्धानि कुरुत।

(वाक्यों को शुद्ध कीजिए। Correct the sentences.)

(क) तौ भोजनम् **अखादतम्**। ....

(ख) उद्याने पुष्पाणि **अभवत्**। ....

(ग) तत्र एकः वृद्धः नरः **अवदन्**। ....

(घ) तौ अत्र न **अपठत्**। ....

(ङ) सः जलम् **अपिबताम्**। ....

© New Saraswati Ho

मूल्यपरकम्

1. किम् त्वम् कश्चित् स्पर्धायाः विजेता/विजेत्री भूत्वा हर्षम् अनुभवसि अहङ्कारं वा? (क्या तुम किसी प्रतियोगिता के विजेता/विजेत्री होने पर प्रसन्न होते हो या अहंकार करते हो?)
2. पर्यटनस्थलस्य भ्रमणसमये किम् त्वम् तत् स्थलस्य सौन्दर्यं सावधानं रक्षसि अथवा अनपेक्षया नाशं करोषि? (पर्यटन स्थल पर घूमते हुए क्या तुम सावधानीपूर्वक वहाँ के सौंदर्य की रक्षा करते हो या अपनी लापरवाही से हानि पहुँचाते हो?)

गृह - कार्यम्

सुलेख - बाल: अपठत् ----------- To ----------- तौ अगच्छताम् । (Page - 16-17)

शब्द - शक्ति (Word Meaning)

सम्प्रति लेखनीयम् (Page - 19 & 20)

प्रश्न - 2 प्रश्न - 3

भाषा - अवबोधानम् (Page - 20 & 21)

प्रश्न - 2 प्रश्न - 3

मूल्यपरकम् (Page - 20)

प्रश्न - 1 & 2

Note - Please write these Questions in your Sanskrit Note Book.

क्रियाकलापः

1. छात्र लङ् लकार पर आधारित प्रथम पुरुष के दस वाक्य संचिका में लिखें और उन्हें चित्रों से सजाएँ।
2. प्रथम पुरुष के वाक्यों के सचित्र निरूपण द्वारा प्रश्नोत्तर विधि से वार्तालाप करें; जैसे–

(क) सीता **किं** खादति?

सीता .... खादति।

(ख) रामः .... अगच्छत्?

रामः **विद्यालयम्** अगच्छत्।

3. 'याद रखें' की भाँति पाठ के अंत में 'शब्द-शक्तिः' में दिए गए सभी शब्दों के पद परिचय की तालिका बनाएँ।

Limited

याद रखें

1. संस्कृत भाषा में लङ् लकार का प्रयोग भूतकाल की क्रिया के लिए किया जाता है। लङ् लकार का रूप बनाते समय धातु के पहले 'अ' जोड़ा जाता है।
2. यदि किसी धातु में उपसर्ग लगाना हो और उसका लङ् लकार भी बनाना हो, तो पहले धातु का लङ् लकार रूप बनाएँ तथा उसके बाद उसमें उपसर्ग लगाएँ; जैसे–
   (*i*) 'उपगच्छति' का अर्थ है 'पास जाता है'। इसमें 'उप' उपसर्ग है और 'गच्छति' लट् लकार का रूप है।
   (*ii*) यदि अब इसे लङ् लकार में परिवर्तित करना हो तो पहले 'गच्छति' से 'अगच्छत्' बनेगा, ठसके बाद उसमें 'उप' उपसर्ग जोड़ा जाएगा, अर्थात् उप + अगच्छत् = उपागच्छत्। इस प्रकार लङ् लकार में 'उपगच्छति' का रूप 'उपागच्छत्' बनेगा जिसका अर्थ है 'पास गया'।
3. **पद-परिचय**–शब्दों का व्याकरण के आधार पर परिचय पद-परिचय कहलाता है।
   (अ) **क्रिया पदों का पद-परिचय**–क्रिया पदों का परिचय देते समय शब्द में प्रयुक्त धातु, लकार, पुरुष और वचन का उल्लेख किया जाता है; जैसे–

पदः	धातुः	लकारः	पुरुषः	वचनम्
अलिखन्	लिख्	लङ्	प्रथम	बहुवचनम्

   (ब) **शब्दों का पद-परिचय**–शब्दों का पद-परिचय करते समय मूल शब्द, लिंग, विभक्ति और वचन बताया जाता है; जैसे–

पदः	मूलशब्दः	लिंगम्	विभक्तिः	वचनम्
लतायाम्	लता	आकारान्त स्त्रीलिंग	सप्तमी	एकवचन

© New Saraswati House (India) Private

सूक्तिः

॥ विद्या मित्रं प्रवासेषु ॥

(प्रवास में विद्या मित्र होती है।)

धन्यवाद